

चैत्रवती स्त्री. (तत्.) एक नदी जिसका नाम हरिवंश में आया है।

चैत्र सखा पुं. (तत्.) कामदेव, मदन।

चैत्रावली स्त्री. (तत्.) चैत्र की पूर्णिमा, चैत्र शुक्ला त्रयोदशी।

चैत्री स्त्री. (तत्.) चित्रा नक्षत्र युक्त पूर्णिमा।

चैन पुं. (देश.) 1. आराम, सुख, आनंद मुहा. चैन उड़ाना- आनंद करना; चैन पड़ना- सुख मिलना; चैन से कटना- सुखपूर्वक समय बीतना; चैन की बाँसुरी बजाना- आनंद का भोग करना 2. शांति, मानसिक शांति।

चैल पुं. (तत्.) 1. कपड़ा, वस्त्र 2. पोशाक।

चैलक पुं. (तत्.) शूद्र पिता और क्षत्रिय माता से उत्पन्न एक प्राचीन वर्णसंकर जाति।

चैला पुं. (देश.) जलाने के लिए चीरी हुई लकड़ी, फट्टा।

चैली स्त्री. (देश.) 1. छोटा चैला 2. गरमी के कारण नाक से निकलने वाला जमा हुआ खून।

चैलेंज पुं. (अं.) मुकाबला करने के लिए दी हुई ललकार, चुनौती।

चोंक स्त्री. (देश.) चुंबन का चिह्न।

चोंका पुं. (देश.) चूसने/होठों से रस पान करने की क्रिया।

चोंगा पुं. (देश.) बाँस की खोखली नली जिसका एक सिरा गाँठ के कारण बंद हो और दूसरा खुला हो वि. अनाड़ी, मूर्ख, बेवकूफ।

चोंच स्त्री. (तद्.) 1. चिड़ियों के मुँह का अगला भाग, जिसके द्वारा वे कोई चीज उठाते या तोड़ते और खाते हैं, टोंट मुँह (व्यंग्य) 2. मुँह प्रयो. बहुत हो चुका अब अपनी चोंच बंद करो (व्यंग्य) मुहा. चोंच खोलना- बात कहना; चोंच बंद कराना- चुप कराना।

चोंटना स.क्रि. (देश.) नोचना, तोड़ना।

चोंटली स्त्री. (देश.) सफेद घुँघची।

चोंथ पुं. (देश.) गाय, बैल आदि का उतना गोबर जितना वह एक बार में करे।

चोंथना स.क्रि. (देश.) खोटना, नोचना, चीपना।

चोंधर वि. (देश.) बहुत छोटी आँखों वाला, मूर्ख।

चोआ पुं. (देश.) 1. कई गंध द्रव्यों को मिलाकर बनाया जाने वाला एक सुगंधित द्रव्य 2. किसी चीज की कमी पूरी करने के लिए उसके साथ रखी जाने वाली चीज 3. बाट की कमी पूरी करने के लिए पलड़े पर रखा जाने वाला कंकड़, पासंग।

चोई स्त्री. (देश.) भिगोकर मलने से निकलने वाला दाल का छिलका।

चोक पुं. (तत्.) भड़भाड़ या सत्यानासी नामक पौधे की जड़ जो दवा के काम आती है।

चोकर पुं. (देश.) आटे का वह अंश जो छानने के बाद छलनी में बच जाता है।

चोकस वि. (देश.) चौकस, सावधान।

चोखना स.क्रि. (तद्.) चूसना या चूस कर पीना अ.क्रि. थन से मुँह लगाकर दूध पीना।

चोखा वि. (देश.) खालिस, बेमेल, सच्चा, खरा, तीखी धार वाला पुं. (देश.) आलू, बैंगन आदि का भरता।

चोखाना स.क्रि. (देश.) 1. स्तनपान करना (बच्चों द्वारा) 2. दूध दुहना (गाय आदि का) 3. धार चोखी करना।

चोगर पुं. (फा.) वह घोड़ा जिसकी आँखें उल्लू की सी हो टि. ऐसा घोड़ा ऐबी समझा जाता है।

चोगा पुं. (देश.) चुगा, चिड़ियों का चारा पुं. (फा.) पैरों तक लटकता हुआ बहुत ढीला पहनावा जिसका आगा खुला होता है, लबादा।

चोच पुं. (तत्.) 1. छाल, वल्कल 2. चमड़ा, खाल 3. तेजपत्ता 4. दालचीनी 5. नारियल 6. केला 7. फल का वह अंश जो खाद्य न हो 8. तालफल, ताड़ का फल।

चोचक पुं. (तत्.) वल्कल, छाल।

चोचला पुं. (देश.) 1. नखरा, हाव-भाव, नाज।

चोज पुं. (तत्.) 1. चमत्कारपूर्ण उक्ति 2. व्यंग्य भरी हँसी की बात, उपहास।